School Pledge

1. We will take responsibility for our own actions.
2. We will have respect for all people and all property.
3. We will try our best in everything that we do.
4. We will be honest.
5. We will ask for help when there is a problem.
6. We will walk around the school safely and quietly.
7. We will listen to each other and respect others' opinion.
8. We will not waste food or any other resources of our country.
9. We will keep our surroundings clean.
10. We will not hide behind excuses.

Pledge

India is my country.

All Indians are my brothers and sisters.
I love my country and I am proud of its rich and varied heritage

I shall always strive to be worthy of it.

I shall give my parents, teachers and all elders respect and treat everyone with courtesy.

To my country and my people, I pledge my devotion in their well being and prosperity alone lies my happiness.

Lunch Prayer

Oh Lord, bless this food,
Which we're about to receive
From thy bounty,
Thank you Dear Lord.

Prayer

God made the Earth....

All things bright and beautiful
All creatures great and small
All things wise and wonderful
The Lord God made them all

Each little flower that opens
Each little bird that sings
He made their glowing colours
He made their tiny wings.

The purple headed mountains
The river running by
The sunset and the morning
To brighten up the sky.

The cold wind in the winter
The pleasant summer sun
The ripe fruit in the garden
He made them everyone.
He gave us eyes to see them
And lips that we might tell
How, great is God Almighty
Who has made all, things well.

All things bright and beautiful.

SHOWERS OF BLESSINGS

There shall be showers of blessings,
This is the promise of love,
There shall be seasons refreshing,
Sent from the Saviour above...

Showers of blessings
Showers of blessings we need,
Mercy drops round us are falling
But for the showers we plead...

There shall be showers of blessings
Send them upon us, O Lord,
Grant to us now a refreshing
Come and now honour Thy word...

There shall be showers of blessings
O that today they might fall,
Now as to God we are confessing
Now as on God we call...

(There shall be showers)

How Great Thou Art

Verse 1:
O Lord my God, When I in awesome wonder,
Consider all the worlds Thy Hands have made;
I see the stars, I hear the rolling thunder,
Thy power throughout the universe displayed.

Chorus:
Then sings my soul, My Saviour God, to Thee,
How great Thou art, How great Thou art.
Then sings my soul, My Saviour God, to Thee,
How great Thou art, How great Thou art!

Verse 2:
When through the woods, and forest glades I wander,
And hear the birds sing sweetly in the trees.
When I look down, from lofty mountain grandeur
And hear the brook, and feel the gentle breeze.

Verse 3:
And when I think, that God his love not hiding
He is with me to take good care of me
and through his love, he gives me a divine touch,
and renews my hope to lean on him.

Verse 4:
When God shall come, with shouts of acclamation,
And take me home, what joy shall fill my heart.
Then I shall bow, in humble adoration,
And then proclaim: “My God, how great Thou art!”

प्रार्थना - १

तेरी पनाह में हमे रखना, सीखे हम नेक राह पर चलना
कपट करम चोरी बेईमानी, और हिंसा से हमको बचाना
नली का बन जाऊँ न पानी, नली का बन जाऊँ न पानी
निर्मल गंगाजल ही बनाना, अपनी निगाह में हमे रखना
तेरी पनाह में हमे रखना, तेरी पनाह में हमे रखना
सीखे हम नेक राह पर चलना, क्षमावान कोई तुझसा नहीं
और मुझ-सा नहीं कोई अपराधी, क्षमावान कोई तुझसा नहीं
और मुझ- सा नहीं कोई अपराधी, पुण्य की नगरी में भी मैंने
पुण्य की नगरी में भी मैंने, पापों की गठरी ही बाँधी हो हो हो
करुणा की छाँव में हमे रखना, तेरी पनाह में हमे रखना
तेरी पनाह में हमे रखना, सीखे हम नेक राह पर चलना.

प्रार्थना - २

तू ही राम है, तू रहीम है, तू ही कृष्ण, तू ही खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु, तू ईसा मसीह, हर रंग में तू समा रहा।।
तू ही राम है----
तेरी जात-पात कुरान में, तेरा रूप वेद पुराण में।
गुरुग्रंथ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।।
तू ही राम है----
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान।
विधिवेद का ये अजब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा।।
तू ही राम है----

प्रार्थना - ३

इतनी शक्ति हमें देना दाता ! मन का विश्वास कमज़ोर हो ना ;
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूल कर भी कोई भूल हो ना ।।
दूर अज्ञान के हों अँधेरे तू हमें ज्ञान की रोशनी दे ;
हर बुराई से बचके रहें हम जितनी भी दे भली ज़िन्दगी दे ।।
बैर हो ना किसी का किसी से भावना मन में बदले की हो ना ;
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना ।।
हम न सोचें हमें क्या मिला है हम ये सोचें किया क्या है अर्पण ;
फूल खुशियों के बाँटे सभी को सब का जीवन ही बन जाए मधुबन ।।
अपनी करुणा को जब तू बहा दे, कर दे पावन हर एक मन का कोना ;
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे भूल कर भी कोई भूल हो ना ।।
इतनी शक्ति हमें देना दाता ! मन का विश्वास कमज़ोर हो ना ।

प्रार्थना - ४

ऐ मालिक तेरे बंदे हम
ऐसे हों हमारे करम
नेकी पर चलें और बदी से टलें,
ताकि हँसते हुए निकले दम

जब ज़ुल्मों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करें, हम भलाई भरें
नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर.....

ये अँधेरा घना छा रहा, तेरा इंसान घबरा रहा
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नज़र
सुख का सूरज छुपा जा रहा
है तेरी रोशनी में वो दम
जो अमावस को कर दे पूनम
नेकी पर.....

बड़ा कमज़ोर है आदमी, अभी लाखों हैं इसमें कमी
पर तू जो खड़ा, है दयालु बड़ा
तेरी कृपा से धरती थमी
दिया तूने हमें जब जनम
तू ही झेलेगा हम सब के गम
नेकी पर....

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगल-दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे ।

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यशामलां मातरम् ।
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीं
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं
सुखदां वरदां मातरम् ।।
वन्दे मातरम् ।

विद्यालय गीत

दिव्य की दिव्यता है उमंग उल्लास है।
इस विद्यालय में तो विद्या का वास है।।

तेजस्विता और प्रतिभा है विशेषता विद्यालय की।
कण कण में इसके बसी कृपा गुरुजनों की।

हम जाने यहाँ पर दृढ़ता संकल्प और सफलता।
भाषा की छोड़े कटुता वाणी में लाए मृदुता ।।

हम सीखे यहाँ तैराकी और सीखें घुडसवारी।
है रीत यहाँ ये न्यारी, हम समझें संस्कृति सारी।।

काँटो को दूर हटाकर हर फूल खिलाना सीखें।
दुःख की गलियों में भी हम मुस्कराना सीखें।।

यहाँ रहकर हमने देखा आत्मविश्वास को जाना।
इसके प्राँगण में सीखा, संगीत, नृत्य और गाना।।
इस हरित वसुन्धरा के हम दिव्य छात्र बनेंगें।
चेतना और प्रेरणा के उज्जवल प्रकाश बनेंगे।।

हर पौधा सीख हमें दे कष्टों में हँसते रहना।
आदर,सम्मान सभी का सबको आनन्दित करना।।

यह भावना हमें सिखाता बंजर को उर्वर करना।
स्वच्छता,निर्मलता तन में और मन में रखना।।

इस दिव्य संस्था की हम आत्मा बनेंगे।
जीवन में नैतिकता की स्थापना करेंगे।।